4. चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

(एक दस-ग्यारह साल की लड़की)

गोल हैं खूब मगर
आप तिरछे नज़र आते हैं ज़रा।
आप पहने हुए हैं कुल आकाश
तारों-जड़ा;
सिर्फ़ मुँह खोले हुए हैं अपना
गोरा-चिट्टा
गोल-मटोल,

© NCERT not to be republished

अपनी पोशाक को फैलाए हुए चारों सिम्त।
आप कुछ तिरछे नज़र आते हैं जाने कैसे
– खूब हैं गोकि!
वाह जी, वाह!
हमको बुद्धू ही निरा समझा है!
हम समझते ही नहीं जैसे कि
आपको बीमारी है:
आप घटते हैं तो घटते ही चले जाते हैं,
और बढ़ते हैं तो बस यानी कि
बढ़ते ही चले जाते हैं–
दम नहीं लेते हैं जब तक बि ल कु ल ही
गोल न हो जाएँ,
बिलकुल गोल।
यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में...
आता है।

❑ *शमशेर बहादुर सिंह*

प्रश्न-अभ्यास

कविता से

1. कविता में 'आप पहने हुए हैं कुल आकाश' कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

© NCERT not to be republished

2. 'हमको बुद्धू ही निरा समझा है!' कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?
3. आशय बताओ–

   'यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में
   आता है।'
4. कवि ने चाँद से गप्पें किस दिन लगाई होंगी? इस कविता में आई बातों की मदद से अनुमान लगाओ और इसके कारण भी बताओ।

   दिन — कारण

   पूर्णिमा .....

   अष्टमी से पूर्णिमा के बीच .....

   प्रथमा से अष्टमी के बीच .....
5. नई कविता में तुक या छंद की बजाय बिंब का प्रयोग अधिक होता है, बिंब वह तसवीर होती है जो शब्दों को पढ़ते समय हमारे मन में उभरती है। कई बार कुछ कवि शब्दों की ध्वनि की मदद से ऐसी तसवीर बनाते हैं और कुछ कवि अक्षरों या शब्दों को इस तरह छापने पर बल देते हैं कि उनसे कई चित्र हमारे मन में बनें। इस कविता के अंतिम हिस्से में चाँद को एकदम गोल बताने के लिए कवि ने **बि ल कु ल** शब्द के अक्षरों को अलग-अलग करके लिखा है। तुम इस कविता के और किन शब्दों को चित्र की आकृति देना चाहोगे? ऐसे शब्दों को अपने ढंग से लिखकर दिखाओ।

अनुमान और कल्पना

1. कुछ लोग बड़ी जल्दी चिढ़ जाते हैं, यदि चाँद का स्वभाव भी आसानी से चिढ़ जाने का हो तो वह किन बातों से सबसे ज़्यादा चिढ़ेगा? चिढ़कर वह उन बातों का क्या जवाब देगा? अपनी कल्पना से चाँद की ओर से दिए गए जवाब लिखो।

© NCERT not to be republished

2. यदि कोई सूरज से गप्पें लगाए तो वह क्या लिखेगा? अपनी कल्पना से गद्य या पद्य में लिखो। इसी तरह की कुछ और गप्पें निम्नलिखित से किसी एक या दो से करके लिखो–

   पेड़ बिजली का खंभा सड़क पेट्रोल पंप

भाषा की बात

1. **चाँद** संज्ञा है। **चाँदनी** रात में **चाँदनी** विशेषण है।
   नीचे दिए गए विशेषणों को ध्यान से देखो और बताओ कि कौन-सा प्रत्यय जुड़ने पर विशेषण बन रहे हैं। इन विशेषणों के लिए एक-एक उपयुक्त संज्ञा भी लिखो–
   गुलाबी पगड़ी / मखमली घास / कीमती गहने
   ठंडी रात / जंगली फूल / कश्मीरी भाषा
2. ● गोल-मटोल ● गोरा-चिट्टा
   कविता में आए शब्दों के इन जोड़ों में अंतर यह है कि **चिट्टा** का अर्थ सफ़ेद है और गोरा से मिलता-जुलता है जबकि **मटोल** अपने-आप में कोई शब्द नहीं है। यह शब्द 'मोटा' से बना है। ऐसे चार-चार शब्द युग्म सोचकर लिखो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो।
3. 'बिलकुल गोल' – कविता में इसके दो अर्थ हैं–
   (क) गोल आकार का
   (ख) गायब होना!
   ऐसे तीन शब्द सोचकर उनसे ऐसे वाक्य बनाओ कि शब्दों के दो-दो अर्थ निकलते हों।
4. जोकि, चूँकि, हालाँकि – कविता की जिन पंक्तियों में ये शब्द आए हैं, उन्हें ध्यान से पढ़ो। ये शब्द दो वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं। इन शब्दों का प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य बनाओ।

© NCERT not to be republished

5. गप्प, गप-शप, गप्पबाज़ी – क्या इन शब्दों के अर्थ में अंतर है? तुम्हें क्या लगता है? लिखो।

कुछ करने को

1. क्या तुम जानते हो दुनियाभर में कई प्रकार के कैलेंडरों का इस्तेमाल होता है। नीचे दो प्रकार के कैलेंडर दिए गए हैं। इन्हें देखो और प्रश्नों के उत्तर दो।

   संवत् 2063 सन् 2006

   (क) इन कैलेंडरों में से कौन-सा कैलेंडर चंद्रमा के अनुसार है?

   (ख) क्या तुम्हारे आसपास इन दोनों कैलेंडरों का इस्तेमाल होता है? यदि होता है तो किन-किन मौकों पर?

   (ग) कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष का क्या अर्थ होता है?

2. चाँद से संबंधित कुछ कविताओं के बारे में जानकारी इकट्ठी करो और उसे कक्षा में शिक्षक को सुनाओ।

ध्यान देने योग्य शब्द

कुल	–	सारा
सिम्त	–	दिशा
गोकि	–	हालाँकि, यद्यपि
दम	–	साँस
मरज़ (मर्ज़)	–	बीमारी

© NCERT not to be republished